

Sawali Surat Pe Mohan Bhajan Lyrics in Hindi English

Sawali Surat Pe Mohan Bhajan Lyrics in Hindi

सांवली सूरत पे मोहन, दिल दीवाना हो गया ।
दिल दीवाना हो गया, दिल दीवाना हो गया ॥

एक तो तेरे नैन तिरछे, दूसरा काजल लगा ।
तीसरा नज़रें मिलाना, दिल दीवाना हो गया ॥
सांवली सूरत पे मोहन, दिल दीवाना हो गया....

एक तो तेरे होंठ पतले, दूसरा लाली लगी ।
तीसरा तेरा मुस्कुराना, दिल दीवाना हो गया ॥
सांवली सूरत पे मोहन, दिल दीवाना हो गया....

एक तो तेरे हाथ कोमल, दूसरा मेहँदी लगी ।
तीसरा मुरली बजाना, दिल दीवाना हो गया ॥
सांवली सूरत पे मोहन, दिल दीवाना हो गया....

एक तो तेरे पाँव नाज़ुक, दूसरा पायल बंधी ।
तीसरा घुंगरू बजाना, दिल दीवाना हो गया ॥
सांवली सूरत पे मोहन, दिल दीवाना हो गया....

एक तो तेरे भोग छप्पन, दूसरा माखन धरा ।
तीसरा खिचड़े का खाना, दिल दीवाना हो गया ॥
सांवली सूरत पे मोहन, दिल दीवाना हो गया....

एक तो तेरे साथ राधा दूसरा रुक्मण खड़ी ।
तीसरा मीरा का आना, दिल दीवाना हो गया ॥
सांवली सूरत पे मोहन, दिल दीवाना हो गया....

एक तो तुम देवता हो, दूसरा प्रियतम मेरे ।
तीसरा सपनों में आना, दिल दीवाना हो गया ॥
सांवली सूरत पे मोहन, दिल दीवाना हो गया....

सांवली सूरत पे मोहन, दिल दीवाना हो गया ।
दिल दीवाना हो गया, दिल दीवाना हो गया ॥

Sawali Surat Pe Mohan Bhajan Lyrics in English

Saavli soorat pe Mohan, dil deewana ho gaya.
Dil deewana ho gaya, dil deewana ho gaya.

Ek to tere nain tirche, doosra kajal laga.
Teesra nazare milaana, dil deewana ho gaya.
Saavli soorat pe Mohan, dil deewana ho gaya...

Ek to tere honth patle, doosra laali lagi.

Teesra tera muskurana, dil deewana ho gaya.
Saavli soorat pe Mohan, dil deewana ho gaya...

Ek to tere haath komal, doosra mehndi lagi.
Teesra murli bajana, dil deewana ho gaya.
Saavli soorat pe Mohan, dil deewana ho gaya...

Ek to tere paanv naazuk, doosra paayal bandhi.
Teesra ghungru bajana, dil deewana ho gaya.
Saavli soorat pe Mohan, dil deewana ho gaya...

Ek to tere bhog chhappan, doosra makhan dhara.
Teesra khichde ka khaana, dil deewana ho gaya.
Saavli soorat pe Mohan, dil deewana ho gaya...

Ek to tere saath Radha doosra Rukmani khadi.
Teesra Meera ka aana, dil deewana ho gaya.
Saavli soorat pe Mohan, dil deewana ho gaya...

Ek to tum devta ho, doosra priyaatam mere.
Teesra sapno mein aana, dil deewana ho gaya.
Saavli soorat pe Mohan, dil deewana ho gaya...

Saavli soorat pe Mohan, dil deewana ho gaya.
Dil deewana ho gaya, dil deewana ho gaya...

About Sawali Surat Pe Mohan Bhajan in English

“Saavli Surat Pe Mohan” is a beautiful and captivating devotional bhajan that praises Lord Krishna for his enchanting appearance and divine charm. The bhajan expresses the deep affection and admiration the devotee feels for Krishna, focusing on his alluring and mesmerizing features that captivate the heart. The term “Saavli Surat” refers to Krishna’s dusky complexion, which is often described as radiating divine beauty and allure.

The lyrics highlight various aspects of Krishna’s physical appearance that leave the devotee enchanted – his captivating eyes, delicate lips, sweet smile, and graceful gestures. It speaks of the mesmerizing effects Krishna’s features have on the hearts of his devotees, making them fall in love with him deeply. The bhajan also references the divine love and connection Krishna shares with Radha, Rukmini, and other devotees, further accentuating his divine charm.

The bhajan expresses the feeling of being totally immersed in Krishna’s divine presence and showcases how everything about Krishna – his looks, his actions, and his associations – make the heart of the devotee “deewana” (crazy) in love with him. This bhajan is a celebration of Lord Krishna’s divine beauty and the eternal love that flows between him and his devotees.

About Sawali Surat Pe Mohan Bhajan in Hindi

“सांवली सूरत पे मोहन” भजन के बारे में

“सांवली सूरत पे मोहन” एक सुंदर भक्ति भजन है जो भगवान श्री कृष्ण के रूप और उनकी आकर्षक छवि की महिमा का बखान करता है। इस भजन में कृष्ण के नैनों, होंठों, मुस्कान, हाथों और पैरों की सुंदरता का वर्णन किया गया है, जो भक्तों के दिलों को अपनी ओर आकर्षित करती है। “सांवली सूरत” से तात्पर्य भगवान कृष्ण के गहरे काले रूप से है, जो बहुत ही आकर्षक और

दिव्य है।

भजन में कृष्ण की मासूमियत और उनके आकर्षण की विशेषताओं का उल्लेख किया गया है। कृष्ण के रूप को देखकर भक्त उनके प्रति असीम प्रेम और भक्ति महसूस करते हैं। भजन में यह भी बताया गया है कि कृष्ण का रूप न केवल शारीरिक रूप से सुंदर है, बल्कि वह अपने भक्तों के प्रति गहरे प्रेम और आशीर्वाद से भी भरपूर हैं।

भजन में कृष्ण के साथ राधा, रुक्मिणी और मीरा बाई जैसी दिव्य भक्तों का भी उल्लेख किया गया है, जिन्होंने कृष्ण के प्रति अपनी निष्ठा और प्रेम व्यक्त किया। यह भजन भक्तों को कृष्ण की भक्ति में और भी समर्पित करने के लिए प्रेरित करता है और उनके दिव्य प्रेम का अनुभव करने की प्रेरणा देता है।